हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 7 मार्च 2025

11 जीवन में जब भी भगवत नाम सुनने का मौका मिले तो ...

12 ग्राम सचिव देंगे पेंशन के लिए पात्र लोगों की हर ...

H.D. Public School Birohar
English Medium Co-Educational Sr. Sec. School
SCHOLARSHIP cum ADMISSION TEST
Sunday 23rd March 2025
Nur. to 9th & 11th Class
All Streams
Science / Comm. / Humanities
Limited Seats
"प्रकाशमय भविष्य की तैयारी"
We Prepare For :
Foundation Classes (6th onwards)
NEET | JEE | NTSE | NDA | MNS
Contact No. : 8059923555, 8607128682

खबर संक्षेप

मिनी नोजल चुराने का दूसरा आरोपित पकड़ा

भिवानी। जिला पुलिस द्वारा जिले में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर ऐसे आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। थाना बहल पुलिस ने गांव ओबरा में खेतों से मिनी नोजल चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। देवेंद्र निवासी ओबरा ने पुलिस को मिनी नोजल चोरी होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोपी की पहचान अली शेर निवासी देवराला के रूप में हुई है।

युवा संसद कार्यक्रम में भाग लेने को करें आवेदन

चरखी दादरी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित किए जा रहे 'विकसित भारत युवा संसद' कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 18 से 25 वर्ष की आयु के युवा प्रतिभागी माय भारत पोर्टल पर रविवार 9 मार्च तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि विकसित भारत युवा संसद राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं को अपनी बात रखने का एक बेहतरीन मंच है। इस कार्यक्रम के तीन चरण जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय व राष्टीय स्तरीय पर है। उन्होंने बताया कि युवा प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के बाद एक मिनट का वीडियो पोर्टल पर अपलोड करना होगा।

ऑल ड्राइवर कल्याण संघ ने मांगें मनवाने को लेकर किया प्रदर्शन

दिल्ली में जंतर-मंतर पर 22-23 मार्च को होगा धरना प्रदर्शन, चुप नहीं रहेंगे चालक

एसोसिएशन के जिला प्रधान बोले- देशभर के चालक आर्थिक एवं मानसिक प्रताड़ना झेलने के लिए विवश हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा में ऑल ड्राइवर कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने मांगों को पूरा न होने को लेकर रोष प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के जिला प्रधान मनोज कुमार, मीडिया प्रभारी अनिल सांगवान, प्रवक्ता बजरंगलाल, सहसचिव महिपाल, उपाध्यक्ष राकेश ने बताया कि आज देश में चालकों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, राष्ट्रपति, केन्द्रीय परिवहन मंत्री, उपायुक्त को भेजे पत्र में बताया कि देशभर के सारथी चालकों के लिए बहुत गंभीर और दुःखद विषय है।

उन्होंने कहा कि पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, गाड़ी ऑनर, ट्रांसपोर्टर, टूर और ट्रैवल कंपनी, उद्योगपति, आम नागरिक परिवहन विभाग का अत्याचार एवं शोषण प्रताड़ित किए जाने जैसी घटनाएं आए दिन चालक संगठन के सामने आ रही हैं, जिसकारण देशभर के चालक आर्थिक एवं मानसिक प्रताड़ना झेलने के लिए विवश है। दिल्ली समेत पूरे भारत के चालक अपने परिवार के पालन पोषण के लिए अपनी जिंदगी सड़कों पर अत्याचार एवं आकस्मिक दुर्घटना के जरिए खत्म हो रहे हैं, जिस पर केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों का ध्यान अभी तक केंद्रित नहीं है। चालकों की जटिल समस्या के मद्देनजर देश की केंद्र सरकार के लिए बहुत ही गंभीर विषय हैं, जिसके मद्देनजर ना तो केंद्र सरकार पहल करने और ना ही सुनने को राजी है और यही रवैया राज्य सरकारों का भी है। जबकि देश की दूसरी अर्थव्यवस्था देश के चालकों पर पूरी तरह टिकी हुई है। उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री चालकों के परिवार के पालन पोषण एवं चालकों के उज्जवल भविष्य के लिए केंद्र सरकार को आप अपने माध्यम से आदेश पारित करके राष्ट्रीय चालक आयोग का गठन केंद्र सरकार द्वारा करवाना चाहिए।

भिवानी। मांगों को पूरा करवाने के लिए रोष जताते चालक। फोटो : हरिभूमि

ये हैं मांगें

चालकों ने बताया कि देश के 22 करोड़ चालकों को न्याय दिलाने के लिए राष्ट्रीय चालक आयोग, प्रदेश चालक आयोग का गठन हो, एक सितंबर को राष्ट्रीय चालक दिवस घोषित करने, भारत व राज्य सरकार भारतीय चालक के लिए चालक संग्रहालय स्थापित करें, दुर्घटना में पूर्वकालिक अपंग होने पर 10 लाख मुआवजा व मृत्यु होने पर 20 लाख रुपये का मुआवजा देने, 60 वर्ष की आयु होने पश्चात 10 हजार रुपये पेंशन देने, मैचोरिटी बीमा, एक्सीडेंटल 10 लाख बीमा, चालक की 8 घंटे और 26 दिन की ड्यूटी हो, चालक को सम्मान मिले व कॉमन पॉलिसी बने, नेशनल हाईवे पर स्टेट हाईवे पर एंबुलेंस की सुविधा, चालक के बच्चों की पढ़ाई में सरकार का सहयोग मिले, नेशनल हाईवे पर तथा स्टेट हाईवे पर 100 किलोमीटर के बाद भोजनालय व विश्राम घर राहत दर पर उपलब्ध करवाने की मांगें उठाई।

जिले में चेकिंग अभियान लगातार रहेगा जारी: डीसी

- खनन विभाग की टीम ने बाइपास पर की 30 से अधिक वाहनों की चेकिंग : उपायुक्त
- अवैध खनन को लेकर तीन स्तरों पर की जा रही है मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि अवैध खनन व परिवहन को लेकर जिला में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। खनन विभाग के अलावा जिला टास्क फोर्स से जुड़े विभागों के अधिकारियों द्वारा लगातार चेकिंग की जा रही है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अगर कोई खनिज वाहन बिना ई रवाना के पाया जाता है तो उसे तुरंत प्रभाव से कब्जे में लेकर नियमानुसार कार्रवाई आरंभ की जाए। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि अवैध खनन व परिवहन को किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग द्वारा इस बारे में स्पष्ट हिदायते जारी की जा चुकी है। सरकार द्वारा अवैध खनन को लेकर तीन अलग-अलग स्तरों पर मॉनिटरिंग का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला टास्क फोर्स से जुड़ी टीमों में शामिल अधिकारी व कर्मचारी लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। खनिज वाहनों की चेकिंग के दौरान ई रवाना बिलों पर बाकायदा एंट्री की जा रही है ताकि ऐसे बिलों को दोबारा प्रयोग में न लाया जा सके । उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि जिला में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत आज जिला भिवानी में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए खनन विभाग की टीम द्वारा तोशाम बाईपास व भिवानी बाईपास के पास चेकिंग की गई। टीम ने 30 से अधिक वाहनों की जांच की। जांच किए वाहन नियम अनुसार ठीक पाए गए।

लोगों से सहयोग की अपील

उन्होंने कहा कि कोई वाहन बिना ई-रवाना के पकड़ा जाता है, तो हरियाणा खान एवं खनिज नियम-2012 के नियम 102 और 104 का उल्लंघन होगा। इन नियमों के अनुसार आगे की जांच की जाएगी। उपायुक्त कौशिक ने जिलावासियों से सहयोग करने का भी आह्वान किया।

छात्रा से दुष्कर्म मामले में सब इंस्पेक्टर के परिजन आए सामने

भिवानी। बीते दिनों से भिवानी में छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आ रहा हैं तथा पीड़िता के परिजनों ने पीड़िता के रिश्ते में ताऊ सब इंस्पेक्टर पर दुष्कर्म का आरोप लगाया था।

- सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने निष्पक्ष जांच की मांग की

पीड़ित छात्रा के परिजनों व अन्य लोगों द्वारा लघु सचिवालय के समक्ष धरना भी दिया जा रहा है। अब इस मामले में नया मोड आ गया हैं और सब इंस्पेक्टर के परिजन भी सामने आ गए है। सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने मामले की निष्पक्ष जांच व आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग पुलिस से की है।

जन न्याय मोर्चा ने किया रोष प्रदर्शन, विधायक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली बारहवीं कक्षा की पीड़ित छात्रा को न्याय दिलाने के लिए आरोपी पुलिस इन्स्पेक्टर की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जन न्याय मोर्चा भिवानी ने शहर में रोष प्रदर्शन किया तथा भिवानी के विधायक घनश्यामदास सर्राफ के कार्यालय में उनके प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही पीड़ित छात्रा के सगे चाचा के विरुद्ध झूठा केस रद करने की भी मांग उठाई। विधायक घनश्यामदास सर्राफ के कार्यालय में उनके प्रतिनिधि पीए ललित कुमार ने ज्ञापन प्राप्त किया। इस अवसर पर धरना व प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए जन न्याय मोर्चे की ओर से पिछड़े वर्ग नेता राजेन्द्र तंवर ने कहा कि आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज होने के 17 दिन के बाद भी पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर रही है, बल्कि समझोते के लिए दबाव बनाने वास्ते पीड़ित पक्ष के सदस्य के विरुद्ध किए गए झूठे मुकदमें में गिरफ्तारी का डर दिखाया जा रहा है, जो उनके साथ सरासर अन्याय है, जिसे जन न्याय मोर्चा बर्दाशत नहीं करेगा। उन्होंने विधायक से भी मांग की कि वे पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए आगे आकर उनकी हरसंभव मदद करें। उन्होंने कहा कि सभी न्याय प्रिय संगठन इस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए आगे आएं और परिवार के साथ एकजुटता प्रकट करें, जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक यह आन्दोलन जारी रहेगा।

ये हुए शामिल

प्रदर्शन में रामअवतार, भीखू, सुनीता, बलराज, अशोक, रामकुमार, सचिन, सरोज, सन्तोष, करतार सिंह व अनिल कुमार सहित महिला व पुरुष शामिल थे।

लोगो डिजाइन के लिए प्रविष्टियां की आमंत्रित

चरखी दादरी। आजादी की पहली लड़ाई 1857 के वीर शहीदों की याद में अंबाला कैंट स्थित आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का निर्माण किया जा रहा है। सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग द्वारा ऐतिहासिक स्मारक के लिए प्रतीक चिन्ह (लोगो) डिजाइन तैयार करने के लिए प्रविष्टियां मांगी गई हैं। डीआईपीआरओ संदीप हुड्डा ने बताया कि एक अप्रैल तक प्रतीक चिन्ह डिजाइन की प्रविष्टियां भेजनी होंगी। लोगो का डिजाइन मौलिक होना चाहिए और इसमें भारत की स्वतंत्रता संग्राम की भावना झलकनी चाहिए।

- वीरों की याद में बन रहा शहीद स्मारक

मकान का ताला तोड़ चोरी करने का तीसरा आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जिला पुलिस भिवानी के द्वारा जिले में चोरी की वारदात करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर ऐसे आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

इसी क्रम में थाना बहल पुलिस ने बहल में मकान का ताला तोड़कर चोरी करने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। चानणमल निवासी सुधीवास ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाया थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बतलाया कि उनके दामाद का मकान भोमाराम कॉलोनी बहल में है, जो उनके दामाद अपने बच्चों के साथ बाहर घूमने के लिए गए हुए थे और पीछे से उनके दामाद के घर का ताला तोड़कर घर से सामान व रुपये चोरी करके ले गए थे। शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना बहल में दर्ज किया था। थाना बहल की महिला मुख्य सिपाही कविता ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए आरोपी की पहचान विकास पुत्र चंद्रभान निवासी बहल, जिला भिवानी के रूप में हुई है। आरोपी नशा करने का आदि है जो अपने नशे की पूर्ति के लिए घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां न्यायालय ने आरोपी को जिला कारागार भेजने के आदेश दिए हैं। वहीं अभियोग में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

- न्यायालय ने आरोपी को जिला कारागार भेजने के आदेश दिए

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में कक्षा एक के लिए आवेदन मांगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास-भिवानी में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा एक में दाखिले के लिए पंजीकरण प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से 7 मार्च से सुबह 10 बजे से प्रारंभ हो रहा है।

दाखिला की सम्पूर्ण आवेदन प्रक्रिया केंद्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली की वेबसाइट व पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास भिवानी की वेबसाइट मुख्य पेज पर देख सकता है। उन्होंने बताया कि कक्षा एक में सभी पंजीकृत विद्यार्थियों की चयनित एवं प्रतीक्षित सूची का प्रदर्शन पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय पालुवास भिवानी व केंद्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली की मुख्य वेबसाइट पर 25 मार्च को दोपहर बाद किया जायेगा। उन्होंने बताया कि अन्य कक्षाओं में रिक्तियां होने पर ही दाखिले का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त कक्षा तीसरी, चौथी व छठी को छोड़कर अन्य किसी भी कक्षा में रिक्त स्थान नहीं है। इन कक्षाओं में दाखिला प्रक्रिया केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के प्रवेश दिशा-निर्देश 2025 के अनुसार ऑफलाइन माध्यम से की जाएगी। कक्षाओं में दाखिलें के लिए पात्र उम्मीदवार 2 से 11 अप्रैल तक ऑफलाइन माध्यम से प्रवेश के लिए पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण फॉर्म प्राप्त करने और जमा करने का समय प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा।

- कक्षा तीसरी, चौथी व छठी को छोड़कर अन्य किसी भी कक्षा में रिक्त स्थान नहीं है।

खेल विभाग ने सरकारी स्कूलों और पंचायतों से मांगे नर्सरी के लिए आवेदन, एक हजार खेल नर्सरी अलॉट होंगी

'बालकों' में खोजी जाएगी 'खेल प्रतिभाएं' किया जाएगा प्रोत्साहित

पुरुषोत्तम तंवर ▶▶| भिवानी

खेल विभाग सरकारी, निजी स्कूलों तथा पंचायतों के जरिए बालकों में खेल स्पर्धाएं ढूंढने जा रहा है। खेल विभाग ने सरकारी स्कूलों व पंचायतों से कम से कम आठ साल के बच्चों में खेल स्पर्धा तरासने का फैसला लिया है।

अब खेल विभाग सरकारी, निजी स्कूलों के साथ साथ पंचायतों से भी खेल नर्सरी चलाने की डिमांड मांगनी आरंभ कर दी है, ताकि बचपन से ही बच्चों में शिक्षा के साथ-साथ खेल के प्रति रुचि बनाकर उनकी खेल स्पर्धाओं को चमकाया जा सके। खेल विभाग ने ये निर्णय प्रख्यात खिलाड़ियों के बीते इतिहास को खंगालने के बाद लिया है। खेल विभाग का तर्क है कि प्रख्यात खिलाड़ियों ने बचपन से ही खेल स्पर्धा को तरासने का मौका मिला, जिसके चलते खेल विभाग ने छोटे बच्चों को स्कूल व पंचायत स्तर पर खेल नर्सरी स्थापित करने का फैसला लिया। खेल विभाग के उपनिदेशक ने प्रदेश के सभी सरकारी, गैर सरकारी व पंचायतों को पत्र भेजकर खेल नर्सरी स्थापित करवाए जाने की मंशा जानी है। भेजे गए निर्देशों में कहा गया है कि अगर वे अपने यहां पर खेल नर्सरी स्थापित करवाए जाने के इच्छुक है तो वे खेल के हिसाब से डिमांड भेजे। जिसमें ओलंपिक व नॉन ओलम्पिक दोनों तरह के खेल शामिल होंगे। पूरे प्रदेश में 500 खेल नर्सरी तो विभागीय प्रशिक्षकों द्वारा संचालित की जाएगी तथा बाकी एक हजार खेल नर्सरी सरकारी, गैर सरकारी तथा ग्राम पंचायतों को अलॉट की जाएगी। जिनके लिए खेल विभाग ने पत्र भेजकर उनकी डिमांड या मंशा जानी है।

बच्चों का ट्रायल के आधार पर चयन होगा

निर्देशों में बताया गया है कि सरकारी, गैर सरकारी व ग्राम पंचायतों के तहत खोली जाने वाली खेल नर्सरियां पहली अप्रैल से लेकन 31 जनवरी तक संचालित होंगी। इन खेल नर्सरियों में 8 वर्ष से लेकर 19 वर्ष तक की आयु के बच्चों का ट्रायल के आधार पर चयन होगा। इसके लिए खेल विभाग शारीरिक योग्यता व खेल परीक्षा आयोजित करेगा। उसके बाद ही बच्चे का खेल नर्सरी के लिए चयन हो पाएगा। एक संस्थान को एक ही खेल नर्सरी अलॉट होगी। जिसका पूरा रिकार्ड ऑन लाइन रहेगा। नर्सरी में कम से कम 20 तथा अधिकत्तम 25 खिलाड़ी होंगे। हरेक नर्सरी के लिए प्रतिक्षा सूची में दस खिलाड़ियों को रखा जाएगा। अगर कोई खिलाड़ी किसी कारणवश नर्सरी छोड़ जाता है तो वरिष्ठता क्रम के आधार पर उस प्रतीक्षा सूची से भरा जा सके। साथ ही विभाग ने स्पष्ट किया है कि अगर किसी खेल नर्सरी में 20 खिलाड़ियों से संख्या कम रह जाती है तो उस खेल नर्सरी को बंद भी किया जा सकेगा।

पांच घंटे बहाना होगा पसीना

जिन बच्चों का खेल नर्सरी के लिए चयन होगा। उन बच्चों को दो घंटे सुबह तथा तीन घंटों शाम को खेल मैदान में पसीना बहाना होगा। सुबह साढ़े पांच बजे से लेकर नौ बजे तक किन्हीं दो घंटे तक शारीरिक शिक्षक की देखरेख में खेल के गुर सिखने होंगे।

इसी तरह शाम के वक्त 3 बजे से लेकर आठ बजे तक तीन घंटे खेल अभ्यास करना निहायत जरूरी होगा। यहां यह बताते चले कि आठ से 14 साल तक के बच्चों को 15 सौ रुपये तथा 15 से 19 साल तक के बच्चों को 2000 रुपये छात्रवृति के रूप में खुराक राशि दी जाएगी। जो कि उनके बैंक खाते में विभाग द्वारा सीधी भेजी जाएगी।

इंटर नर्सरी प्रतियोगिता के जरिए जांचा जाएगा खिलाड़ियों के खेल का स्तर

एक साल तक बाल खिलाड़ियों को खेल प्रशिक्षक द्वारा खेल के गुर मंत्र दिए जाने बाद उनका खेल का स्तर जांचा जाएगा। इसके लिए कम वर्ष बाद इंटर नर्सरी खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा। उसमें यह भी जांचा जाएगा कि किस खिलाड़ी ने क्या सीखा ओर कौन सा खिलाड़ी की स्पर्धा चमकी या फीकी रही। अगर कोई कमी रहती है तो उस कमी को खेल प्रशिक्षक प्रशिक्षण देकर पूरी करवाएगा।

नशीले पदार्थ और असामाजिक गतिविधियों से खिलाड़ी रखने होंगे दूर

खेल विभाग ने स्पष्ट कर दिया कि खेल नर्सरी का कोई भी खिलाड़ी नशीले पदार्थ के सम्पर्क में न हो। साथ ही खिलाड़ियों को असामाजिक गतिविधियों से दूर रहना होगा। इसके लिए खेल नर्सरी संचालक की भी जिम्मेदारी तय रहेगी। वे खिलाड़ियों पर इस तरह की बुराई से बचाने के लिए नजर बनाए रखेंगे। हालांकि खेल विभाग के उपनिदेशक व जिला खेल अधिकारी प्रत्येक माह में कम से कम एक बार प्रत्येक खेल नर्सरी का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान अगर कोई गडबडी मिलती है तो उस बारे में तत्काल खेल विभाग को सूचना दी जाए और खेल नर्सरी को बंद कर दिया जाएगा।

सेलिब्रेशन

होली पर रंग-बिरंगी मस्ती

बच्चे होली पर रंग खेलने के साथ खूब मौज-मस्ती करते हैं। टीवी के चाइल्ड आर्टिस्ट्स बता रहे हैं कि उनकी अब तक की कौन-सी होली, खूब मस्ती भरी और यादगार रही? इस बार उनकी होली पर क्या खास प्लानिंग है? इन चाइल्ड आर्टिस्ट्स का **बालभूमि** के अपने दोस्तों के लिए क्या मैसेज है? जानो, इन्हीं की जुबानी।

होली का असली मजा मिलजुल कर रंग खेलने में है: जारा वारसी

एंड टीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में चमची की भूमिका निभा रही जारा वारसी के लिए होली का त्योहार खास अहमियत रखता है। वह कहती है, 'मैं भले ही किसी दूसरे धर्म की हूं, लेकिन होली का त्योहार मेरे लिए हमेशा से खास रहा है। मैं पूरे उत्साह-उमंग से अपने दोस्तों के साथ होली मनाती हूं।' होली का एक मेमोरेबल इंसिडेंट जारा बताती है, 'एक बार मैं अपने स्कूल के दोस्तों के साथ पहली बार कॉलोनी में होली खेल रही थी। हम सब दोस्त एक-दूसरे पर वाटर बैलून फेंक रहे थे, गलती से एक बैलून पास से गुजर रहे अंकल को लग गया। हम घबरा गए कि अब हमें डांट पड़ेगी, लेकिन उन्होंने भी हंस कर हमें रंग लगा दिया। उस पल ने मुझे सिखाया कि होली का असली मजा हंसी-मजाक और मिलजुल कर रंग खेलने में ही है।' इस वर्ष होली को लेकर अपनी खास प्लानिंग के बारे में जारा बताती है, 'इस बार मैं अपने शो के कलाकारों के साथ सेट पर भी होली सेलिब्रेट करूंगी। साथ ही, घर पर एक छोटी-सी गेट-टुगेदर भी रखी है। मैं अबकी नेचुरल कलर से ईको-फ्रेंडली होली खेलूंगी, ताकि लोगों को किसी तरह कोई परेशानी न पहुंचे।' 'बालभूमि' के दोस्तों को होली का मैसेज देते हुए जारा कहती है, 'मैं अपने सभी प्यारे दोस्तों से कहना चाहूंगी कि होली हमेशा मिलजुल प्यार से खेलें। किसी पर जबरदस्ती रंग न डालें। पानी की बर्बादी से बचें, ईको-फ्रेंडली रंगों का इस्तेमाल करें। दोस्तों संग होली की मस्ती करें और खूब हंसें-खिलखिलाएं।' *

इस बार अपने ऑनस्क्रीन मम्मी-पापा के साथ रंग खेलूंगा: कविश खुंगर

कविश खुंगर को इन दिनों शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' में कान्हा की भूमिका में दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। कविश से जब बात होती है कि उसकी सबसे मेमोरेबल होली कौन सी थी, तो वह चहकते हुए बताता है, 'मेरी सबसे मजेदार और मेमोरेबल होली पिछले साल की थी। मैंने वाटरगन की मदद से ढेर सारे वॉटर बैलून खुद तैयार किए। मम्मी-पापा और अपने फ्रेंड्स को रंग लगाया। इन सबने भी मुझे रंग लगाया। फिर मैंने गुलाब जामुन, गुझिया, पेड़ा और कई सारी मिठाइयां खाईं। घर आए अपने दोस्तों के साथ मैंने खूब डांस भी किया।' कविश को होली फेस्टिवल बहुत पसंद है। वह बताता है, 'मैं होली पर अपने दोस्तों के साथ खूब मस्ती करता हूं, हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। इस दिन हमें मस्ती करने से कोई रोकता नहीं है।' इस बार होली पर अपनी प्लानिंग के बारे में भी कविश बताता है, 'अबकी बार मैं शो के सेट पर अपने ऑनस्क्रीन मम्मी-पापा (वृंदा-केशव) के साथ भी रंग खेलूंगा। मैं सेट पर सभी के लिए मिठाइयां लेकर भी जाऊंगा। खूब एंज्वॉय करूंगा।' 'बालभूमि' के अपने दोस्तों को कविश मैसेज देता है, 'सभी दोस्त अच्छे से रंग खेलें और होली की मस्ती करते वक्त इस बात का ख्याल रखें कि किसी को चोट न लगे। मिठाइयां खाएं-खिलाएं। होली का दिन खूब हंसी-खुशी के साथ एंज्वॉय करें। सभी को हैप्पी होली...।' *

कविता / देवी प्रसाद गौड़

प्यार बांटती घर-घर होली

विदा हो गए टोपा, जर्सी,
सर्दी भागी होली आई।
बचपन की मस्ती संग लिए,
खुशियों से झोली भर लाई।।
ठंड रही ना गर्मी ज्यादा,
रंग-रंगीला मौसम आया।
झूम उठे फूलों पर भौंरे
जंगल में टेसू हरषाया।।
हफ्ते भर की छुट्टी होंगी,
कई दिनों तक खेलें होली।
सोहन, मोहन, शंकर, शालू,
घर से चलें बनाकर टोली।।
कितना भी छुप लेना कोई,
सबके मुंह कर देंगे काले।
लाल गुलाल मलें गालों पर,
हम सब होली के मतवाले।।
प्यार बांटती घर-घर होली,
आपस में हम गले मिलेंगे।
बड़े बुजुर्गों से नतमस्तक,
प्यार भरा शुभ आशीष लेंगे।।
खूब छकेंगे माल-मिठाई,
पूआ-पूड़ी और कचौड़ी।
जहां जाएंगे वहीं मिलेंगे,
टिकिया-भल्ले चाट-पकौड़ी।।
चना-मटर की फली करारी,
दादी भूने जौ के दाने।
लठमार होली देखेंगे,
द्वार-द्वार ढप-ढोल सुहाने।।
तरह-तरह के खेल तमाशे,
जब बस्ती में चले हुरंगा।
नाचें-गाएं मुंह मटकाएं,
तन-मन होते रंगमरंगा।।

ऑर्गेनिक कलर्स से खेलें होली: श्रेया पटेल

सोनी सब के शो 'तेनाली रामा' में पद्मावती का किरदार निभा रही बाल कलाकार श्रेया पटेल अपनी सबसे मेमोरेबल होली को याद करते हुए बताती है, 'मेरी अब तक की सबसे यादगार होली वह थी, जब मैं आउटडोर शूट के लिए उमर गांव गई थी। चूंकि वहां बहुत लंबा शूट चला, इसलिए सभी के साथ मेरी बहुत ही प्यारी बॉन्डिंग बन गई थी। सेट पर सबसे छोटी होने के कारण मैं सबकी लाडली थी। हमने वहां जमकर होली खेली और अपने को-एक्टर्स के साथ खूब मस्ती की। परिवार और दोस्तों के साथ तो हम हर साल होली मनाते ही हैं, लेकिन पहली बार अपने को-एक्टर्स के साथ होली मनाने का मजा ही कुछ और था।' श्रेया इस बार की होली को लेकर अपनी प्लानिंग बताती है, 'अबकी मैं 'तेनाली रामा' के सेट पर ही मस्ती और धमाल वाली होली मनाना चाहती हूं। इस शो की टीम के साथ मेरी बहुत प्यारी बॉन्डिंग हो चुकी है, यह मेरा दूसरा परिवार बन चुका है।' 'बालभूमि' के दोस्तों को मैसेज देते हुए श्रेया कहती है, 'मैं अपने सभी दोस्तों से यही कहना चाहूंगी कि होली खूब खेलें और जमकर मस्ती करें, लेकिन जितना हो सके पानी बचाएं, सूखे अबीर-गुलाल ज्यादा इस्तेमाल करें। हार्मफुल केमिकल कलर्स के बजाय नेचुरल या ऑर्गेनिक कलर्स का ही इस्तेमाल करें। अपने परिवार और दोस्तों को भर-भर के रंग लगाएं और बोलें, 'बुरा न मानो, होली है...!' *

प्रस्तुति
बालभूमि फीचर्स

पापा से अपनी होली की डिमांड बता दी है: वृही कोडवारा

सोनी सब के शो 'पुष्पा इंपॉसिबल' में स्वरा पटेल के किरदार से दर्शकों का मन मोह रही वृही कोडवारा से जब उसकी सबसे यादगार होली की बात होती है तो वह हंसते हुए बताती है, 'लास्ट ईयर की होली मेरी अब तक की बेस्ट होली थी, क्योंकि मैंने दो-दो बार होली मनाई थी।

एक बार घर पर और दूसरी बार 'पुष्पा इंपॉसिबल' के सेट पर राशि दीदी, प्रार्थना दीदी, दादू, चिराग भैया, दीप्ति दीदी, अश्विन दादा और बहुत सारे लोगों के साथ होली की मस्ती की थी। घर पर फैमिली और फ्रेंड्स के साथ होली मनाने में मजा तो आता है, लेकिन सेट पर बहुत सारे लोगों के साथ होली मनाने का कुछ अलग ही मजा है। सेट पर दोनों काम एक साथ हो जाते हैं, होली भी मन जाती है और शूट भी हो जाता है।' वृही इस बार की अपनी होली की प्लानिंग बताती है, 'वैसे तो हम हमेशा कलर्स और पिचकारी के साथ ही होली खेलते हैं, लेकिन इस बार का कुछ अलग प्लान है।

मैंने पापा से अपनी डिमांड बोलकर रखी है कि इस बार हम लोग एक रिसॉर्ट पर जाएंगे। पूल में खेलेंगे, होली मनाएंगे और बहुत मजे करेंगे।' होली पर वृही का बालभूमि के अपने दोस्तों को मैसेज है, 'सभी लोग हमेशा नेचुरल कलर से होली खेलें और पानी की बचत करें। मेरी तरफ से अपने सभी फ्रेंड्स को 'हैप्पी होली...!'*

तुम्हारे लिए नई किताबें / विज्ञान भूषण

मजेदार कविताएं-रोचक उपन्यास

बच्चों, तुम्हारे लिए मजेदार-ज्ञानवर्धक कविताओं की एक किताब कुछ समय पूर्व छपकर आई है। 'पचपन रंग बचपन के' शीर्षक वाली इस किताब में कुल पचपन कविताएं संकलित हैं। इन कविताओं में तुम्हें विज्ञान, भूगोल, प्रकृति और बच्चों के मन की बातों के साथ ही कुछ नटखटपन से भरी अलग-अलग रंगों की कविताएं भी पढ़ने को मिलेंगी। यहां कुछ कविताएं ऐसी हैं, जिन्हें पढ़कर तुम्हें लगेगा कि अरे, ऐसा तो मैं भी सोचता/सोचती हूं! 'सोच रहा बंटी मन ही मन' और 'पापा तुमने कभी न जाना' ऐसी ही कविताएं हैं। इन दिनों तुम सब होली खेलने की तैयारी कर रहे होगे। हर रंग की क्या खासियत है, इसे 'रंगों की लड़ाई' कविता में पढ़ सकते हो। किताब की सभी कविताएं पढ़ने में तुम्हें बहुत मजा आएगा। *

किताब: पचपन रंग बचपन के, **रचनाकार:** अखिलेश श्रीवास्तव चमन,
मूल्य: 200 रुपए, **प्रकाशक:** अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

बच्चों, अभी कुछ समय पहले ही एक बहुत रोचक बाल उपन्यास 'एक गुलाबी भैंसा अलग सा' छपकर आया है। यह टाइटल पढ़कर तुम सोच रहे होगे कि भैंसा वो भी गुलाबी! तुमने अब तो काले रंग की ही भैंस देखी होंगी। लेकिन इस किताब में एक नन्हे से गुलाबी रंग के भैंसे की ही कहानी है। वो नन्हा सा भैंसा अपने अलग आकार और रंग के कारण अपने समूह में बिल्कुल अलग दिखता है। उसकी सोच भी बहुत अलग है। उसके मन में कैसे-कैसे सवाल उठते हैं, वो क्यों किसी खतरनाक जानवर से भी नहीं डरता है, वह कैसे हर हाल में खुश रह लेता है, जंगल के सब जानवर उसे क्यों प्यार करते हैं? यह सब जानने के लिए तुमको यह रोचक किताब पढ़नी होगी। यह किताब पढ़ने में तुम्हें मजा तो आएगा ही, बहुत कुछ सीखने को भी मिलेगा। *

किताब: एक गुलाबी भैंसा अलग सा, **लेखक:** समीर गांगुली,
मूल्य: 199 रुपए, **प्रकाशक:** फ्लाईड्रीम्स पब्लिकेशंस, दिल्ली

कहानी
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

होली के ऐन पहले सार्थक के पापा का ट्रांसफर चेन्नई हो गया। वहां का अलग कल्चर, अलग भाषा, नए लोग, कोई दोस्त भी नहीं...। ऐसे में कैसी रही सार्थक की होली?

होली वालतुक्कल!

सार्थक ने होली के त्योहार को लेकर क्या-क्या नहीं सोच रखा था, लेकिन ऐन मौके पर उसके पापा का ट्रांसफर ऑर्डर आ गया। अब ट्रांसफर तो उनका होता ही रहता है। इसी बहाने सार्थक को नई-नई जगह घूमने का मौका मिलता है, उसे खूब मजा भी आता है। लेकिन होली पर यह ट्रांसफर, उफ!

सार्थक के पापा अफसर हैं। चेन्नई पहुंचने पर उनका शानदार वेलकम हुआ। उन्हें वहां फर्निश्ड और डेकोरेटेड फ्लैट मिला था। सार्थक की मम्मी ने चेन्नई निकलने से पहले होली को ध्यान में रखते हुए ढेर सारी गुझिया, कचरी, पापड़, चिप्स वगैरह बनाकर रख लिए थे। सार्थक ढेर सारा रंग, गुलाल और अलग-अलग तरह की चार पिचकारियां ले आया था। उसने कई जोड़ी नए कपड़े भी लिए थे। सार्थक के मम्मी-पापा साथ में झालर और होलिका दहन के लिए एक बोरी में रखकर गोबर के कंडे भी लेकर आए थे।

नए घर के बाहर भी साफ-सफाई करवा दी गई थी। यात्रा की थकान दूर होने के बाद मम्मी ने रंगोली बनाई। लकड़ियां इकट्ठा की गईं। पापा ने कंडे लगाकर होलिका सजा दी फिर पापा-मम्मी गुझिया लेने अंदर चले गए।

सार्थक अकेले ही अपनी पिचकारी हाथ में लिए उछल-उछल गाने लगा, 'होली आई, होली आई। हम मस्तों की टोली आई। पचक लगी, पच कंडा दे। होली आई, होली आई...।'

तभी उसे सामने से एक हमउम्र बच्चा आता दिखा। उसने हाथ जोड़कर सार्थक से कहा, 'वणक्कम।'

सार्थक उसकी भाषा तो नहीं समझा, लेकिन उसने भी नमस्ते कहते हुए हाथ जोड़ लिए।

उस बच्चे ने पूछा, 'एन्न पन्नुरिंगा?'

सार्थक फिर कुछ नहीं समझा। उसे चुप देख वह बच्चा बोला, 'एन्नाचु?'

सार्थक फिर चुप।

अब उसने जोर से आवाज लगाई, 'अप्पा! अक्का! नींगल वारंगल...।'

तुरंत ही पास के मकान से उस बच्चे के पापा और बड़ी बहन बाहर आ गए। इधर शोर सुन सार्थक के मम्मी-पापा भी आ गए। उन सभी का आपस में परिचय हुआ। उस बच्चे का नाम था शेखरन और उसकी बड़ी बहन थी राम्या। शेखरन के पापा हिंदी बोल लेते थे, लेकिन उनकी हिंदी मजेदार लगी। उन्होंने पूछा, 'आप लोग कब आईं? यह क्या कर रही हैं?'

पापा ने जब उन्हें होली के बारे में बताया तो वे बहुत खुश हुए। उन्होंने कहा, 'फिर तो हमारा पोंगल का त्योहार भी थोड़ा वैसा। बस, हम रंग नहीं खेलते।'

पोंगल का नाम सुनकर सार्थक को अपनी टेक्स्ट बुक में पढ़ा हुआ पाठ याद आ गया। घरों को रंगा जाता है। पुराने सामान हटाए जाते हैं। होली की तरह ही फसल कटाई का उत्सव मनता है। पारंपरिक पकवान बनते हैं। सब नाचते-गाते हैं। आंखों पर पट्टी बांधकर मटकी फोड़ते हैं।

पापा उनसे बोले, 'आपके राज्य में तो वैसे भी कितने सारे रंग बिखरे पड़े हैं। मैंने चेन्नई का मरीना बीच देखा है। वहां तो रोज ही सुबह-शाम को होली जैसा नजारा होता है।

समुद्र का नीला पानी। दमकती सुनहरी रेत। ताड़ के हरे पेड़। लाल रंग का सूरज और रंग-बिरंगे कपड़े पहने घूमते ढेर सारे लोग।'

शेखरन के पापा जब कुछ बोलते तो राम्या के सिर पर हाथ फेरने लगते। इस बार तो राम्या के सिर पर लगा फूलों वाला गजरा ही खुलने लगा। वह पीछे हट गई। सब हंसने लगे।

उन्होंने बताया, 'वैसे यहां भी हम होली मनाते। उसे काम-दहनम बोलते। पर उसका तरीका थोड़ा डिफरेंट है। हां, कुछ बातें एक जैसी हैं। जैसे गोबर के गोले तो हम भी जलाते हैं।' उन्होंने होली के कंडों की ओर इशारा करते हुए कहा।

सार्थक बड़े गौर से शेखरन-राम्या के पापा की बातें सुन रहा था। उसे उनकी हिंदी बहुत मजेदार लगी। वह सोच रहा था कि अगर वह स्कूल में ऐसे बोले या लिखे तो मैडम कितनी डांट लगाएंगी। एग्जाम में तो नंबर ही कट जाएंगे।

तभी शेखरन ने सार्थक की पिचकारी को छूकर कहा, 'अप्पा, इद एन्नके बेनू' तो उसके पापा ने मना करने के अंदाज में उसे समझाया, 'इल्ले।'

मम्मी को समझते देर न लगी कि शेखरन पिचकारी मांग रहा है। वह जल्दी से अंदर जाकर पिचकारी ले आईं। सार्थक से कहा, 'यह अपने नए दोस्त को गिफ्ट करो।'

पिचकारी पाकर शेखरन 'नंद्री' कहते हुए मुस्कुराया। जैसे धन्यवाद दे रहा हो फिर सार्थक से बोला, 'नी पाडू।'

उसके पापा हंसे। बोले, 'यह कह रहा है, तुम गाओ।'

सार्थक को याद आया कि जब वह पिचकारी लिए गा रहा था, उसी वक्त तो शेखरन वहां आया था।

सार्थक गाने लगा। शेखरन भी उछलते हुए उसकी पंक्तियों को दोहराने लगा। अब तो वहां ढेर सारे लोग इकट्ठे हो गए।

शेखरन के पापा ने सार्थक के सिर पर हाथ रखते हुए कहा, 'तुम शेखरन को हिंदी सीखा देना। यह तुमको तमिल सीखाएगी।'

सार्थक ने हंसते हुए शेखरन को गले से लगा लिया।

मम्मी भी हंसीं, 'वाह! यह तो होली मिलन भी हो गया।'

वहां मौजूद सारे लोग जोर से तालियां बजाते हुए बोले, 'होली वालतुक्कल.. ! होली वालतुक्कल.. !'

उनकी भाषा भले ही समझ में न आ रही हो, लेकिन भावों से साफ जाहिर था कि वे कह रहे हैं, 'होली मुबारक..! होली मुबारक..!' *

बूझो तो जानें
गौरीशंकर वैश्य विनम्र

1. रंग-मिलन का प्रिय त्योहार।
फागुन में आता हर बार।
लोग अबीर-गुलाल लगाते।
बोलो! कौन-सा पर्व मनाते?

2. होली आते ही कर देते
रंग खेलने की तैयारी।
किसमें भरकर रंग छोड़ते
जो सबको लगती है प्यारी?

3. भक्त प्रह्लाद को गोदी लेकर ,
जला देने की युक्ति रची थी।
भक्त प्रह्लाद बचे जलने से,
बुआ कौन, जो नहीं बची थी?

4. पिता प्रह्लाद का हिरण्यकश्यप
उसने पुत्र को बहुत सताया।
ज्योंही मार डालना चाहा
किसने आकर शीघ्र बचाया?

5. मौसम मनभावन हो जाता
ऋतुओं का राजा है कौन?
इस ऋतु में ही होली आती
नाम बताओ, रहो न मौन?

उत्तर : 1.होली 2.प्रह्लाद 3. होलिका 4. नृसिंह भगवान 5. वसंत

जीके क्विज- 144

1. टाइम मैगजीन ने 'वूमेन ऑफ द ईयर-2025' की लिस्ट में किस भारतीय महिला को शामिल किया है?
2. 71वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप की विजेता टीम का नाम क्या है?
3. अभी हाल ही में भारत के किस राज्य में महाकुंभ का समापन हुआ?
4. छत्तीसगढ़ के वर्तमान राज्यपाल का नाम क्या है?
5. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कब मनाया जाता है?
6. ब्रिटिश राज में भारत का प्रथम वायसराय किसे नियुक्त किया गया था?
7. किस भारतीय समाज सुधारक ने ब्रह्म समाज की स्थापना की थी?
8. वन संरक्षण से संबंधित 'चिपको आंदोलन' का नेतृत्व किसने किया था?
9. किस ग्रह को 'भोर का तारा' भी कहा जाता है?
10. रेडियो का आविष्कार किस साइंटिस्ट ने किया था?

बच्चों, जीके क्विज-144 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-143 का उत्तर: 1.रमन इफेक्ट, 2.जगदीश चंद्र बसु, 3.होमी जहांगीर भाभा, 4.डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, 5.बेंगलुरु, 6.महाराजा जयसिंह द्वितीय, 7.ज्ञानेश कुमार, 8.एन चंद्रशेखरन, 9.चितरंजन दास, 10.स्वामी दयानंद सरस्वती

जीके क्विज-143 का सही उत्तर देने वाले: रुशील-खैरागढ़, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, बिंदा ध्रुव-बलौदा बाजार, रमेश-कोरबा, कबीर-हिसार, रमेश-रायगढ़, रोहित-बिलासपुर, अंजना-बालोद, साकेत-दुर्ग, दिव्या-बालोद

रंग भरो-170

रंग भरो-170 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

डॉली, दुर्ग

वेदिका, बालोद

गणिका, झज्जर

रिद्धि-भिवानी

अर्पिता-दुर्ग

जिया-कोंडागांव

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

खुशबू-दुर्ग, रितिका-जांजगीर, दिव्या-रायपुर, पूजा-बलौदा बाजार, अंजू-बिलासपुर, मुकेश-भोपाल, विनय-रायपुर, मोनिका-दुर्ग, खुशी-बालोद, अमन-रायपुर, नेहा-बिलासपुर, गोविंद-रायपुर, संजय-अंबिकापुर, कल्पना-राजनांदगांव, शुभम-बालोद

रंग भरो 171

बच्चों, यहां होली खेलते हुए बच्चों का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

युवक से 1.31 लाख रुपये की धोखाधड़ी

जींद। साइबर थाना पुलिस ने युवक को इंस्टाग्राम पर लाखों के फॉलोवर और स्टोरी व्यूज बढ़ाने का झांसा देकर 1.31 लाख ठगने पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। अमरावली खेड़ा निवासी अंकित ने शिकायत में बताया कि 14 को इंस्टाग्राम पर मैसेज आया और इसमें इंस्टाग्राम फालोवर व स्टोरी व्यूज बढ़ाने की बात कही गई।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की जान गई

कैथल। कुरुक्षेत्र-नरवाना रेल मार्ग पर वीरवार को ग्योंग गांव के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। ऐसे में राजकीय रेलवे पुलिस ने बुजुर्ग के शव को पोस्टमॉर्टम व पहचान के लिए जिला नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। जबकि इस घटना के बाद राजकीय रेलवे पुलिस के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

रजबाहे में मिला वृद्ध का शव, नही हुई शिनाख्त

जींद। वीटा प्लांट के निकट रजबाहे में व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। मृतक के पास से ऐसा कुछ नही मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। इसके अलावा मेडिकल बोर्ड की तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है।

मकान की सील तोड़ने के आरोप में केस दर्ज

कैथल। बैंक द्वारा सील किए गए मकान की सील तोड़ने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बैंक अधिकारी मनदीप शर्मा ने कलायत पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि बैंक द्वारा गांव बाता के नरेंद्र सिंह के मकान को सील किया गया था। आरोप है कि 14 फरवरी को आरोपी द्वारा बैंक द्वारा लगाई गई सील को तोड़ते हुए मकान में प्रवेश कर लिया।

ताला तोड़कर 80 हजार की नकदी चुराई, केस

जींद। रेलवे कॉलोनी में एक मकान का ताला तोड़कर चोरों ने 80 हजार रुपये की नगदी को चोरी कर लिया। शहर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेलवे कॉलोनी निवासी महिला रचना कुमारी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चार मार्च दोपहर बाद वह मकान को ताला लगाकर बेटे को टयूशन छोड़ने के लिए गई थी।

रास्ता रोककर की मारपीट, केस दर्ज

कैथल। राजौंद पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट करने का आरोप का केस दर्ज किया है। राजथल की निर्मला ने राजोद पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 26 फरवरी को जब परिवार के सदस्यों के साथ गाड़ी में सवार होकर गांव कसान से गुजर रहे थे तो गांव के ही महावीर व अन्य मिलकर रास्ता रोकते हुए उनकी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया।

युवक के साथ मारपीट करने पर नामजद

जींद। सफीदों की तारावती कॉलोनी में युवक के साथ मारपीट करने और धमकी देने पर पुलिस ने एक व्यक्ति को नामजद किया है। तारावती कॉलोनी निवासी आदित्य ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि तीन मार्च शाम को वह घर के बाहर था। इस दौरान आरोपी सुनील कुमार ने उसके साथ मारपीट की।

प्रभु दर्शन के लिए व्यक्ति को सत्संग, सेवा व सुमिरन में लीन रहना चाहिए

जीवन में जब भी भगवत नाम सुनने का मौका मिले तो विमुख न हों: शैलेंद्रनाथ

कथाव्यास योगी शैलेंद्रनाथ शास्त्री ने श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में सुनाया कथा वृतांत

भिवानी। श्रीमद्भागवत गीता का पूजन करते महंत वेदनाथ महाराज व अन्य व श्रीमद्भागवत गीता सुनते श्रद्धालु।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सिद्धस्थल जोगीवाला शिव मंदिर में नौ दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। वृंदावन धाम से पहुंचें कथाव्यास योगी शैलेंद्रनाथ शास्त्री ने महंत वेदनाथ महाराज के सानिध्य में श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर कथा का वृतांत सुनाया। कथाव्यास योगी शैलेंद्रनाथ शास्त्री ने बताया कि जीवन में जब भी भगवत नाम सुनने का अवसर प्राप्त हो उससे विमुख नहीं होना चाहिए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष की महता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 84 लाख योनियां भुगतने के पश्चात मानव देह की प्राप्ति होती है, इसलिए इस देह को उपयोग व्यर्थ कामों में न करके जनकल्याण व ईश्वर भक्ति में समर्पित कर दें।

उन्होंने बताया कि जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ता है तब-तब परमात्मा अवतार धारण करके धरती पर धर्म की स्थापना करते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं को बताया कि किसी को अशब्द न कहें, जीवन में भक्ति, मंदिर सेवा और जीवन में गो माता की सेवा और उसका जीवन महत्व बताया। इस अवसर पर महंत वेदनाथ महाराज, जयपुर से भावनाथ, सुंदरनाथ, हालुवास से महेंद्रनाथ, प्रदीप नाथ, गोपालनाथ, रामेश्वरनाथ, दीपक पांडे, सचिन, मास्टर संदीप शर्मा, व नरेश नेशू आदि मौजूद रहे।

भिवानी। लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में लोगों की समस्याएं सुनने एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल। *फोटो: हरिभूमि*

एडीसी ने लघु सचिवालय में लोगों की समस्याएं सुनीं

- मौके पर समाधान नहीं होने वाली शिकायत का प्राथमिकता से करें समाधान: डॉ. मुनीष

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार के निर्देशानुसार जिला व उपमंडल स्तर पर सुबह 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस को समाधान शिविर का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में एडीसी डॉ. मुनीष नागपाल ने स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत को मौके पर ही निपटाने का हरसंभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अगर कोई शिकायत निपटाने में समय लगता है तो उसे प्राथमिकता से त्वरित निपटाएं और शिकायतकर्ता को भी पूरी प्रक्रिया की जानकारी दें ताकि वह संतुष्ट हो सकें। एडीसी डॉ. नागपाल ने प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, समाज कल्याण पेंशन, राशन कार्ड, बिजली, पेयजल सप्लाई आदि से संबंधित शिकायतें सुनी। उन्होंने कहा कि अधिकारी समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें और उसका संभावित त्वरित समाधान करें। मुख्य सचिव एवं चंडीगढ़ मुख्यालय द्वारा समाधान शिविरों की मोनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायत कर्ताओं की शिकायतों के समाधान की जानकारी देकर संतुष्ट करें। शिविर में एसडीएम महेश कुमार, डीडीपीओ आशीष मान, रामकिशन आदि मौजूद रहे।

शारीरिक शिक्षक एसो. ने डीईओ को सौंपा ज्ञापन

- शारीरिक शिक्षकों व खिलाड़ियों की सुविधाओं में नहीं आने देंगे कमी: डीईओ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। डीईओ को ज्ञापन सौंपता हरियाणा शारीरिक शिक्षक एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल। *फोटो: हरिभूमि*

पिछले कई माह से रिक्त पड़े भिवानी के जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर सुभाष भारद्वाज के ज्वाइन करने पर बुधवार को हरियाणा शारीरिक शिक्षक एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल जिला प्रधान कुलदीप महला के नेतृत्व में उनसे मिला तथा पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। राज्य संगठन सचिव सोमदत्त शर्मा ने बताया कि हरियाणा शारीरिक शिक्षक एसोसिएशन ने नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी से शिक्षा से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज अनुभवी अधिकारी है, जिनके अनुभव का जिला के विद्यार्थियों को लाभ होगा। प्रधान कुलदीप महला ने कहा कि भिवानी में पिछले लंबे समय से जिला शिक्षा अधिकारी का पद रिक्त था, जिसके चलते शिक्षा संबंधी बहुत से कार्य अटके पड़े थे। लेकिन अब सुभाष भारद्वाज के डीईओ का पदभार ग्रहण करने के बाद वे कार्य सुचारू रूप से जारी रहेंगी।

जिला में शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने की दिशा में डीईओ भारद्वाज सराहनीय कदम उठाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने हरियाणा शारीरिक शिक्षक एसोसिएशन का आभार जताया तथा कहा कि खेल नगरी भिवानी में किसी भी शारीरिक शिक्षकों और खिलाडिय़ों को सुविधाओं में कमी नहीं आने दी जाएगी।

इस अवसर पर पूर्व राज्य प्रधान राजेश ढांडा, वीरेंद्र घनघस, बलवान सिंह डीपीई, डीपीई जगबीर ग्रेवाल, डीपीई दयानंद, डीपीई सुरेंद्र सिंह, अजमेर जांगड़ा, शमशेर तिगड़ाना, मोनू देवसर मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता के बेटे योगेश का अचानक हो गया था निधन

सांसद सैलजा ने कांग्रेस नेता के बेटे के निधन पर जताया शोक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री एवं सांसद कुमारी शैलजा ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं रिटायर्ड बैंक महाप्रबंधक नरेश तंवर के बेटे योगेश के निधन पर शोक जताया। कांग्रेस नेता नरेश तंवर के 33 वर्षीय बेटे योगेश का अचानक निधन हो गया था। सांसद कुमारी शैलजा गांव पालुवास स्थित उनके निवास पर पहुंचकर परिवार को ढाढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कुमारी शैलजा ने कहा कि नरेश तंवर कांग्रेस के कर्मठ योद्धा हैं, ये बहुत ही सहनसील एवं ईमानदार हैं। उन्होंने कहा कि नरेश तंवर की तरह ही उनका बेटा योगेश तंवर बहुत ही सहनसील व ईमानदार व्यक्तित्व का धनी था, उनके निधन से परिवार को बहुत बड़ी क्षति पहुंची हैं, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और नरेश तंवर सहित परिवार के अन्य सदस्यों को सांत्वना दी। योगेश तंवर के निधन पर अनके राजनीतिक पार्टियों के नेताओं, कार्यकर्ता व सामाजिक संगठनों के लोगों ने शोक जताया।

भिवानी। नरेश तंवर व अन्य परिजनों को ढांढस बंधाती सांसद कुमारी शैलजा।

भिवानी। महिपाल सिंह का पगड़ी पहनाकर स्वागत करते स्कूल प्राचार्या सतेन्द्र कुमारी कंसल व अन्य। *फोटो: हरिभूमि*

शहीद एवं सैनिक देश की असली दौलत : महिपाल

- विद्यार्थियों को देशभक्ति के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बामला में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से भारत गौरव अवार्डी महिपाल सिंह रूदड़ौल उपस्थित हुए।

प्राचार्या सतेन्द्र कुमारी कंसल ने महिपाल सिंह का स्वागत किया तथा पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान महिपाल सिंह रूदड़ौल ने विद्यार्थियों को शहीदों के जीवन पर विस्तार से जानकारी दी तथा उन्हें देशभक्ति के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमें शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों व देशभक्तों के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए तथा देशसेवा में अपना योगदान देना चाहिए यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजली होगी। उन्होंने कहा कि शहीद एवं सैनिक ही देश की असली दौलत होती है। इस अवसर पर विद्यानंद मेचु, नरेन्द्र श्योराण, राजकुमार अग्रोहिया, राजेश कुमार सूर्या, मीना सांगवान, अनीता चौहान, धीरज कुमारी, ज्योति ग्रेवाल व गीता चहक समेत सभी स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरियाली से ही जीवन संभव

आने वाली पीढ़ी के लिए हरा-भरा वातावरण तैयार करना जरूरी: सैनी

- नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने पौधों को दिया पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। पौधों में पानी देते संगठन के सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

मिनी बाइपास औद्योगिक क्षेत्र में नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था द्वारा किए गए पर्यावरणीय प्रयास अब साकार हो रहे हैं। संस्था के समर्पित सदस्य दिनेश सैनी, मुकेश सैनी, इंजीनियर सुरेश सैनी और अमित सैनी, शंकर नर्सरी के संचालक चंद्रमोहन के नेतृत्व में समय-समय पर पौधों में पानी देकर उनकी देखभाल की जाती हैं। इन सतत प्रयासों का ही नतीजा है कि छोटे-छोटे पौधें अब वृक्षों में तब्दील हो चुके हैं, जो शुद्ध हवा, छांव व प्राकृतिक सौंदर्य का उपहार दे रहे हैं। संस्था का अभियान पौधें लगाओ, पेड़ बनाओ के संदेश को साकार कर रहा है, जो हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। हरियाली की यह पहल न केवल औद्योगिक क्षेत्र की सुंदरता बढ़ा रही है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण भी तैयार कर रही है। संस्था का ये सराहनीय प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन रहा हैं। दिनेश सैनी ने बताया संस्था के इस पर्यावरणीय अभियान का मूल मंत्र पौधे लगाओ न केवल प्रकृति के संरक्षण की ओर संकेत करता है, बल्कि ये भी बताता है कि हरियाली से ही जीवन संभव है। वृक्षों से हमें शुद्ध हवा, छांव, जल संरक्षण और फल-फूल मिलते हैं, जो सीधा मानव जीवन के से जुड़े हैं। अभियान ये साबित करता है कि यदि हम प्रकृति का ध्यान रखें, तो प्रकृति हमें कई गुना लौटाती है। उन्होने बताया कि हमारी संस्था ने जब इन पौधों को लगाया था, तभी संकल्प लिया था कि इन्हें पेड़ बनने तक पूरा सहयोग देंगे।

वन रक्षकों के एक हजार के लगभग पद पड़े खाली

- अनदेखी का शिकार हुआ वन विभाग: विक्रान्त

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

वन विभाग का कार्य शारीरिक रूप से होता है, जिसके लिए मानव शक्ति की आवश्यकता है। विभाग में रीढ़ की हड्डी वन रक्षक का पद है। वन रक्षकों की 2014 के बाद भर्ती न होने के कारण एक हजार के लगभग पद खाली पड़े है। प्रेस से जानकारी सांझा करते हुए वन कर्मचारी संघ प्रधान प्रमिन्द्र गुलिया व महासचिव विक्रान्त दांगी ने बताया कि वन रक्षकों की कमी के चलते बीटो को फ्रीज करके, दूसरी बीटों में क्षेत्र मर्ज करके कार्यक्षेत्र बढाया जा रहा है, जिससे सुरक्षा कार्यों में समस्या उत्पन्न हो रही है। ब्लॉक फ्रीज किए गए थे उनको वन दरोगा व उप वन राजिक का कैडर पूरा होने के बाद भी नहीं खोला गया है। सीधी भर्ती व पदोन्नत वन दरोगाओं को बीटों पर लगा कर वन रक्षक का कार्य लिया जा रहा है। वन राजिक अधिकारी के पद भी खाली पड़े हैं जिन पर भर्ती नहीं की जा रही है। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि वन मंत्री ने विभाग के कार्यों की समीक्षा करते समय निर्देश दिए थे कि वन रक्षकों के पदों पर भर्ती के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को मांग भेजी जाए परन्तु अभी तक भर्ती का विज्ञापन जारी नहीं हुआ है।

कार्यों का स्तर घटिया

कर्मचारी नेताओ ने बताया कि टैण्डर प्रणाली से जो विभाग के कार्य करवाए जाते हैं उनका स्तर घटिया व अधिक खर्चीला है। जिसकी कोई समीक्षा नहीं की गई। ब्लैक लिस्ट ठेकेदार भी राजनैतिक व प्रशासनिक दबाव बना कर विभाग का काम करवा कर लाखों की अदायगी ले जाते है। कर्मचारी भर्ती करने के बजाए ठेके पर कार्य करवाने पर बल दिया जा रहा है। चिड़ियाघर, पौधारोपण, नर्सरी व अब अरावली सुरक्षा कार्य भी वन रक्षक के स्थान पर होमगार्ड से करवाने तथा वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए 10 वर्ष में तैयार की जाने वाली कार्य योजना को भी औपचारिकता बना दिया गया है। विभाग को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर ठेकेदारों के हवाले करके अपनी सेवानिवृत्ति उपरांत राजनैतिक महत्वकांक्षा को पूरा करने के लिए कुछ अधिकारी वन मंत्री व सरकार को अव्यवाहारिक व जन विरोधी योजना पेश कर रहे हैं।

राजीव गांधी महिला महाविद्यालय में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

स्वयंसेविकाओं को यातायात नियमों की दी जानकारी

- राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 1,2 की 100 स्वयंसेविकाएं इसमें भाग ले रही

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम को संबोधित करते प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोकचंद।

राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोकचंद की अध्यक्षता एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेणुबाला व प्रोफेसर मंजू सिसोदिया के मार्गदर्शन सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 1,2 की 100 स्वयंसेविकाएं इसमें भाग ले रही है। शिविर का शुभारंभ योग के साथ किया। कार्यक्रम ऑफिसर ने मुख्यतिथि डॉ. सुरेश मलिक एनएसएस कोऑर्डिनेटर, प्राचार्य एवं अतिथियों का स्वागत किया। स्वयंसेवकओ ने स्वागत गीत के साथ मुख्यतिथि का स्वागत किया।

स्वास्थ्य को बांटा नहीं जा सकता

प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोकचंद ने सभी स्वयंसेविकाओं को शिविर के शुभारंभ की बधाई दी। डॉ. सुरेश ने कहा कि एक स्वास्थ्य ही एक ऐसी चीज है जिसे किसी के साथ भी बाटा नहीं जा सकता। उन्होंने बताया कि सभी वॉलंटियर्स को शारीरिक रूप से चुस्त दुरुस्त होना चाहिए तथा रक्तदान अवश्य करना चाहिए। सभी को शारीरिक गतिविधियों में शामिल होना चाहिए, जिससे आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने अपने विचारों के साथ सभी स्वयंसेविकाओं को जागरूक एवं प्रेरित किया। इसके पश्चात ट्रैफिक रूल्स के बारे में रविशु कुमार ने सभी स्वयंसेविकाओं को जागरूक किया। उन्होंने यातायात के नियमों को साझा करने का कारण बताया कि भारत में ज्यादातर मृत्यु का कारण यातायात नियमों का उल्लंघन करना है, इसलिए स्वयंसेविकाओं को उन्होंने यातायात नियमों के बारे मे जानकारी दी और उनको जिम्मेदारी और कर्तव्यों से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि सभी स्वयंसेविकाओं को रोड पर बाई ओर चलना चाहिए और साधन चलाते समय स्पीड को कम रखे और इमरजेंसी साधन को रास्ता दें। सायंकालीन सत्र में स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता रैली निकालकर स्वच्छता के प्रति एवं प्लास्टिक के अनुपयोग के बारे में जागरुक किया। अंत में स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया।

भिवानी। समाधान शिविर में समस्या सुनते एसडीएम आशीष सांगवान।

शिविरों में आनी वाली शिकायतों का मौके पर हो रहा समाधान

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

जिला में लगातर नागरिकों की शिकायतों के निदान के लिए समाधान शिविर आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर लगाए जा रहे इन शिविरों में आनी वाली शिकायतों का मौके पर ही समाधान हो रहा है। वीरवार को एसडीएम आशीष सांगवान और सीटीएम जितेन्द्र ने लघु सचिवालय के सभागार में लोगों की शिकायतें सुनी और उनके निपटारे के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों ने मौके पर इन शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू की।

ग्राम पंचायत सिंघानी
खण्ड-लोहारू, जिला-भिवानी
सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिंघानी में ढाब जोहड़ के आने वाले बाधित हरे पेड़ों की खूली बोली दिनांक 10.03.2025 को सुबह 11 बजे पंचायतघर में लगाई जाएगी। शर्त मौके पर सुनाई जाएंगी।
हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत सिंघानी
खण्ड-लोहारू (भिवानी)

खबर संक्षेप

लोहारू। इंडो इजराइल बागवानी केंद्र का दौरा करते चौधरी बंसीलाल

छात्रों और स्टाफ को दिए बेहतर स्वास्थ्य के टिप्स

लोहारू। चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दौरान गुरूवार को दोपहर में पोषण एवं स्वास्थ्य सत्र का आयोजन किया, जिसमें शिविरार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य के टिप्स दिए और शिविरार्थियों को पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी। कॉलेज परिसर में प्राचार्य डॉ. मुकेश चहल की अध्यक्षता और डॉ. अंजू के निर्देशन में पांच दिनों से चल रहे एनएसएस शिविर की शुरुआत असेंबली के साथ की गई। उन्होंने एनएसएस के उद्देश्यों को दोहराया और समाजसेवा की भावना को जीवन में ढालने के लिए प्रेरित किया। शिविरार्थियों ने कॉलेज परिसर में श्रमदान किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा ने श्रमदान के महत्व को समझाते हुए कहा कि स्वच्छता केवल बाहरी सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे विचारों और आचरण में भी होनी चाहिए। पोषण और स्वास्थ्य के विशेष सत्र में रचना सोनी ने बच्चों को संतुलित आहार, पोषण एवं स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के बारे में जानकारी दी।

खेल महाविद्यालय की मांग उठाना युवाहित की सोच

भिवानी। खेल नगरी भिवानी के युवाओं ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक बार जिला व प्रदेश का नाम रोशन किया है, इसके बावजूद भी पिछली सरकारों ने भिवानी में खेल महाविद्यालय बनाने की दिशा में नहीं सोचा, लेकिन राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने केंद्रीय खेलमंत्री को पत्र खिलकर भिवानी में खेल महाविद्यालय की स्थापना करने की मांग की है, जिससे भाजपा सरकार व राज्यसभा किरण चौधरी की युवाहित के प्रति गंभीरता को दर्शाता है, ये बात वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि ने जारी ब्यान में कही। भिवानी में खेल महाविद्यालय की स्थापना होने से ना केवल खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन मिलेगा, बल्कि युवा भी खेलों में भागीदारी के लिए प्रेरित होंगे, जिससे युवाओं के भविष्य स्वर्णिम बनने के साथ-साथ प्रदेश की तरक्की को भी पंख लगेंगे।

जिला प्रशासन ने खोरडा गांव में रात्रि ठहराव कार्यक्रम किया

ग्राम सचिव देंगे पेंशन के लिए पात्र लोगों की हर महीने रिपोर्ट: डीसी

जिले के सभी ग्राम सचिवों से हर महीने रिपोर्ट ली जाएगी: उपायुक्त

चकबंदी पटवारी पर लगे आरोपों की होगी जांच: मुनीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

जिला के सभी ग्राम सचिव हर महिने संबंधित गांव की रिपोर्ट देंगे, जिसमें उन्हें बताना होगा कि गांव से सभी पात्र नागरिकों की पेंशन बनाई जा चुकी हैं। उन्हें बीडीपीओ और संबंधित एसडीएम के माध्यम से यह रिपोर्ट सौंपनी होगी। इससे सबंधित नागरिकों की पेंशन बनने में आने वाली परेशानी को दूर करने में मदद मिलेगी।

उपायुक्त मुनीश शर्मा ने खोरडा में आयोजित रात्रि ठहराव के दौरान ये आदेश दिए हैं। पेंशन को लेकर आई एक शिकायत की सुनवाई के दौरान सामने आया कि काफी समय से जन्म तिथि सही नहीं होने के कारण महिला के पात्र होने के बाद भी पेंशन नहीं बन रही है। इस पर उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिला के सभी ग्राम सचिवों से हर महिने एक रिपोर्ट ली जाएगी, जिसमें संबंधित गांव में पात्र लोगों की पेंशन बनने का पूरा डाटा होगा। इसके बाद भी अगर किसी कारण से किसी की पेंशन नहीं बन पाती है तो उसकी कमी को दूर करके पात्र व्यक्ति की पेंशन बनवाई जाएगी।

भिवानी। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में शिकायतें सुनते डीसी मुनीश शर्मा व अन्य। फोटो :हरिभूमि

12 शिकायतें मिली, पटवारी पर लगे आरोप

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त के समक्ष गांव के लोगों ने चकबंदी में गलत तरीके से रिकार्ड दर्ज करने की शिकायत भी की और काफी शिकायतों में पटवारी नितेश पर आरोप लगे। इसपर उपायुक्त ने कहा कि एक कर्मचारी पर इतने लोग आरोप लगा रहे हैं तो उसकी जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि बुधवार तक सीओ चकबंदी मामले की जांच करके देंगे और अगर पटवारी पर आरोप सिद्ध होते हैं तो उनके खिलाफ कानून और विभागीय कार्यवाही के साथ साथ एफआईआर भी दर्ज करवाई जाएगी। उपायुक्त गांव के लोगों से कहा कि चकबंदी को लेकर अपील करनी होती हैं लेकिन गांव के लोगों की सुविधा के लिए उपायुक्त कार्यालय से एक परफोर्मा तैयार करवाकर गांव में उपलब्ध करवाया जाएगा, जिसको भरकर संबंधित ग्रामवासी को जमा करवाना होगा। चकबंदी की सभी शिकायतों का समाधान करके सही किया जाएगा। रात्री ठहराव में चकबंदी से संबंधित 51 और प्रशासन से सबंधित 12 शिकायतें मिली। कार्यक्रम में पुलिस को लेकर भी दो शिकायतें आई। लोगों से वार्तालाप करते हुए पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने कहा कि जिला के सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को थानों में आने वाले लोगों के साथ कुशल व्यवहार करने के निर्देश दिए हुए हैं।

गुलाबी रसीद जरूर मांगे

अगर किसी नागरिक को पुलिस से संबंधित कोई शिकायत है तो वह एसपी कार्यालय में शिकायत दे सकता है। उन्होंने बताया कि जब भी कोई नागरिक किसी थाने में अपनी शिकायत लेकर जाए तो वहां से गुलाबी रसीद जरूर मांगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में खोरडा गांव को नशामुक्त घोषित किया गया है। इसके बाद गांव की सामूहिक जिम्मेदारी ओर बढ़ जाती है। अगर गांव में कोई नशा बेचता है तो उसकी गुप्त शिकायत 1933 टोल फ्री नंबर पर की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जिस किसी ने केन्द्र में जाकर नशा छोड़ने की पहल की है, उसके प्रति अच्छा व्यवहार रखें और उसके दोस्त बनकर उनकी सहायता करें। कार्यक्रम में एसडीएम दलजीत सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

एनएसएस शिविर संपन्न

युवाओं में जोश भर रहा एनएसएस: डॉ. अशोक

भिवानी। शिविर के समापन पर पौधरोपण करते अतिथि। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राष्ट्रीय सेवा योजना एकता एवं अनुशासन को साथ लेकर युवाओं में नया जोश भर रहा है। युवाओं को भी चाहिए कि वो एकता एवं अनुशासन के साथ लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़े तभी उच्च पदों पर पहुचा जा सकता है, ये बात सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम में एनएसएस शिविर के समापन पर मुख्यतिथि सिद्धपीठ बाबा जाहरगिरी आश्रम के श्रीमहंत महंत जूना अखाड़ा डॉ. अशोक गिरी महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि एनएसएस राष्ट्र एवं समाज के लिए अच्छे नागरिक तैयार करने के साथ साथ स्वयंसेवकों का सर्वांगीण विकास करता है।

शिविर के समापन पर आयोजित समारोह का शुभारंभ श्रीमहंत डॉ अशोक गिरी महाराज, वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के महासचिव डॉ पवन बुवानीवाला, प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, महाविद्यालय के डीन एकेडमिक डॉ नरेंद्र चाहर एवं एनएसएस यूनिट 2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशा नेहरा ने द्वीप प्रज्वलित करके किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र के सामाजिक विकास में स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान है। स्वयंसेवक व्यवहारिक रूप में इस तरह के विशेष शिविरों से बहुत कुछ सीखते हैं जो उनके जिंदगी भर काम आता है। प्राचार्य ने अतिथियों का स्वागत करते हुएं स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के मोटो को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाने की सीख दी।

शिविर के समापन पर स्वयंसेविका विजेता ने पंजाबी नृत्य प्रस्तुत किया। स्वयंसेवकों ने भारत माता की वंदना की। स्वयंसेविकाओं ने विभिन्न प्रदेशों की फैंसी ड्रेस के साथ रेंपवाक पर प्रस्तुति दी। स शिविर के पांच स्वयंसेवकों रूपेश, ओमप्रकाश,वैभव, हितेश को श्रेष्ठ स्वयंसेवक के पुरस्कार से नवाजा। शिविर में अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

छात्राओं के भविष्य को लेकर चर्चा

पचास प्रतिशत से कम हाजिरी वाली छात्राओं के अभिभावकों का मीटिंग में आना अनिवार्य

आदर्श महिला कॉलेज में अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

स्नातक व स्नातकोत्तर छात्राओं के लिए आदर्श महिला महाविद्यालय में अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन किया, जिसमें अभिभावकों ने प्राध्यापिकाओ के साथ छात्राओं के भविष्य को लेकर बातचीत की। उन्होंने छात्राओं को भविष्य में करवाए जाने वाले विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स, कक्षा गतिविधि एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास से संबंधित विभिन्न प्रश्न भी पूछे, जिसका प्राध्यापिकाओ ने बड़ी सरलता से उत्तर दिया।

गौरतलब हैं प्राचार्या ने गंभीरत से प्रकाश डालते हुए बताया कि आज कल महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम होती जा रही हैं, जिसके मद्देनजर विद्यार्थियों में अनुशासन, नैतिकता, समय प्रबंधन एवं कौशल जैसे गुण विलुप्त होते जा रहें हैं। महाविद्यालय में आयोजित बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को इस बात से अवगत करवाना कि वह अपने बच्चे को महाविद्यालय अवश्य भेजें। उन्होंने बताया कि बैठक से पहले छात्राओं की हाजिरी को जांचा गया और जिन छात्राओं की हाजिरी 50 प्रतिशत से कम मिली उनके अभिभावकों को फोन करके अनिवार्य रूप से बैठक में आने को कहा गया। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों की उन्नति में सबसे अहम भूमिका माता-पिता एवं गुरुजन की होती है,उनका आपस में तालमेल होना आवश्यक है। यदि माता पिता को अपने बच्चों से संबंधित जानकारी प्राप्त करनी है। तब वह कॉलेज में आकर प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालय छात्राओं के शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है, जिसमें अभिभावकों का सहयोग भी अनिवार्य है।

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय में बैठक में चर्चा करते शिक्षक व अभिभावक।

विद्यार्थियों को जल बचाने के तरीकों की जानकारी दी

नालियों में पानी व्यर्थ में न बहाएं व वर्षा जल को संग्रहित करें: शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

वीर शहीद बीरसिंह राजकीय कन्या वमा विद्यालय तिगड़ाना में राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संग्रहण विषय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। ब्लॉक कोऑर्डिनेटर नरेंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को जल बचाने के तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नालियों में पानी व्यर्थ में न बहाएं, जितने पानी की आवश्यकता हो उतना ही पानी सदुपयोग में लाए।

उन्होंने कहा कि वर्षा जल को संग्रहित करें एवं उसका उपयोग करें। उपरोक्त विषय पर काजल, भारती, दीक्षा, गजल, लविका आदि छात्राओं ने सुंदर-सुंदर पोस्टर बनाएं। इसके साथ ही गांव के जलघर का शैक्षणिक भ्रमण किया। बच्चों को जल संरक्षण एवं संग्रहण की शपथ दिलाई गई। इस दौरान स्कूल प्राचार्या अनीता सरोहा, वंदना महता, निर्मल जांगड़ा, अनिल हलवासिया, विकास शर्मा, मेघा रानी, नीरज कौशिक, अनीता सिवाच, संतोष यादव,ममता बलोदा, सुदेश, सुशीला, सुनीता, ममता रानी, सरला, ममता शर्मा, मीनाक्षी, राजवंती, सतीश व कृष्णा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। वीर शहीद बीरसिंह राजकीय कन्या वमा विद्यालय तिगड़ाना में पोस्टर दिखाती छात्राएं व साथ में शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

एचडी स्कूल के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

चरखी दादरी। एचडी स्कूल बिरोहड की तरफ से विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें तीसरी से पांचवी कक्षा के छात्रों को प्रतापगढ़ फार्म का भ्रमण करवाया। वहां पर बच्चों ने हरियाणवी संस्कृति से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया। यह यात्रा शैक्षणिक भ्रमण के साथ-साथ बच्चों के लिए मनोरंजन का साधन भी रही। निदेशक बलराज फौगाट ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य बच्चों को हरियाणवी संस्कृति से जोड़ने के साथ-साथ आने वाली वार्षिक परीक्षा से पहले होने वाले स्ट्रेस को कम करने का भी एक माध्यम था ताकि बच्चे मुख्य परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सके।

भिवानी बार एसो. के पदाधिकारियों का सम्मान समारोह कल

भिवानी। नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी ने बताया कि भिवानी बार एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों का सम्मान समारोह नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था द्वारा 8 मार्च शनिवार को सुबह 10 बजे हांसी रोड स्थित होटल में आयोजित किया जाएगा। समारोह में अनुसूचित जाति आयोग हरियाणा के वाइस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचेंगे।

पूर्व छात्र नेता भी पहुंचेंगे: कार्यक्रम में अनेक सामाजिक संगठनों के लोग व वैश्य कॉलेज के पूर्व छात्र नेता भी पहुंचेंगे। सम्मान समारोह को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कम नहीं, हर फील्ड में रोशन कर रही देश का नाम: तंवर

नशा समाज पर सबसे बड़ा कलंक इससे बनानी होगी दूरी : कविता तंवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति ने विवेकानंद हाई स्कूल के असेंबली सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महोत्सव का आयोजन किया।

इस मौके पर जल संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान,नारी सशक्तिकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, राष्ट्रभाषा हिंदी गौरव व नशा मुक्त भारत अभियान विषय पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षाविद् कविता तंवर एवं सावित्री यादव ने किया। गौरतलब है कि कार्यक्रम में उपरोक्त संदेश को लेकर शिक्षाविद महिलाओं ने संबोधित किया, ताकि लोगों के अंदर उपरोक्त विषयों को लेकर जागरूकता पैदा हो। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रपति अवार्डी अशोक कुमार भारद्वाज रहे। कार्यक्रम पहले चरण में स्वच्छता जल एवं संरक्षण एवं नारी सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता के रूप में पहुंची एनएसएस अधिकारी कविता तंवर ने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है, हर फील्ड में महिलाएं देश का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि नशा समाज पर एक सबसे बड़ा कलंक है, इसलिए हमें नशे जैसी बुराई से दूर रहना चाहिए।

भिवानी। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता कविता तंवर को सम्मानित करते आयोजक।

उपायुक्त ने किया निरीक्षण

बोर्ड परीक्षाओं की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रशासन सजग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के नकल रहित संचालन को लेकर जिला में उपायुक्त मुनीश शर्मा के निर्देशन में विशेष अभियान के तहत परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है।

एसडीएम व सीटीएम सहित पुलिस विभाग भी प्रतिदिन केंद्रों को चैक कर रहा है। जिले के विभिन्न अधिकारियों ने वीरवार को परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों से परीक्षा से जुड़ी जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसको लेकर उपायुक्त ने कहा है कि जिला में बोर्ड परीक्षाओं की पवित्रता बनाए रखने और नकल रहित परीक्षाओं के संचालन के लिए प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। परीक्षा केंद्रों की जांच के लिए विभिन्न फ्लाइंग स्क्वायड का गठन किया गया है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की फ्लाइंग स्क्वायड केंद्रों का निरीक्षण कर रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा में नकल करवाने व पेपर आउट होने जैसी घटनाओं में संलिप्त पाए जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

सभी उम्मीदवार जीत का अंदाजा लगाकर खुश नजर आ रहे हैं

बवानीखेड़ा वार्ड नंबर 1 में1010 मतदाता

चेयरमैन उम्मीदवारों की 12 को खुलेगी लॉटरी, एक संभालेगा शहर की कमान,उम्मीदवार जातीय समीकरण बनाने में जुटे

अब इन दो में से कौन बवानीखेड़ा की सत्ता पर विराजमान होगा ये 12 मार्च को मतगणना से ही पता चल पाएगा। फिलहाल सभी चेयरमैनी के उम्मीदवार जीत का अंदाजा लगाकर खुश नजर आ रहे हैं। अब 12 मार्च को ही पता चलेगा

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा नगर पालिका चुनाव गत दो मार्च को संपन्न हो चुके हैं और चुनावों का परिणाम अब 12 मार्च को घोषित होने वाला हैं। दस दिनों का चुनावी रिजल्ट का इंतजार किसी भी उम्मीदवार से कटने का नाम नहीं ले रहा है। हर उम्मीदवार जातीय समीकरण बनाने में जुटा है और अपने आपको विजयी मान रहा है। वहीं उनके समर्थक बारी बहुमज से जीत के कयास लगा रहे हैं। हालांकि 11 उम्मीदवार जमीन से जुड़े हुए हैं, लेकिन चुनावी टक्कर कुछ ही उम्मीदवारों में देखने को मिली, जिनके मार्किट में नाम जमे रहे। एक तरफ भाजपा से सुंदर शर्मा ने टिकट लेकर मैदान में उतरे, वहीं बाकि उम्मीदवार 36 बिरादरी के नाम का सहारा लेकर चुनावी मैदान में दिखाई दिए। बवानीखेड़ा वार्ड नंबर 1 में 1010, दो में 775, तीन में 722, चार में 722, पांच में 1051, छः में 1441, सात में 1401, आठ में 1530, नौ में 721, दस में 739, ग्यारह में 942, बारह में 1317, तेरह में 1304, चौदह में 1194, पन्द्रह में 986, वार्ड नंबर सोलह में 1008 कुल मिलाकर लगभग 16863 मतदाता है, लेकिन कुछ श्रेणियों ने अपनी एकजुटता दर्शाई तो साफ तौर पर कंडिडेट विजयी होंगे। बवानीखेड़ा में समुदायों का अपना अपना जोर है। जहां सुंदर शर्मा भाजपा से टिकट लेकर अपने समुदाय सहित अन्य समुदायों में अपने व पार्टी के दमखम पर विजय मान रहे हैं तो पंकज महता का 36 बिरादरी में जोर है और अच्छी पकड़ होने के कारण उनका विजयी होना भी सभी को लग रहा है। वहीं तरूण राठौड को उनकी बिरादरी ने उठाया और पूरा सहयोग किया। इसके अलावा वे अन्य श्रेणी में भी अपनी पैठ रखते हैं। सूत्रों की मानें तो कुछ समुदाय अलग-अलग उम्मीदवारों के पक्ष में नजर आए, इसलिए किसी की जीत के बारे में शत-प्रतिशत नहीं कहा जा सकता।

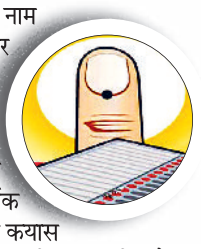

हर उम्मीदवार कर रहा जीत के दावे

एक तरफ जहां कमल के फूल पर सुंदर शर्मा अपनी जीत मान रहे हैं तो वहीं पंकज महता नारियल के पेड़, तरूण राठौड का डमरू, महेश कुमार की घड़ी, सतपाल शर्मा का आम, संजय महता की कलम दवात आदि सभी अपनी जीत की कयास लगा रहे हैं, लेकिन मुकाबला तीन की बजाय सट्टा बाजार में दो पर आ गया है। अब इन दो में से कौन बवानीखेड़ा की सत्ता पर विराजमान होगा ये 12 मार्च को मतगणना से ही पता चल पाएगा। फिलहाल सभी चेयरमैनी के उम्मीदवार जीत का अंदाजा लगाकर खुश नजर आ रहे हैं। अब 12 मार्च को ही पता चलेगा कि जीत का सेहरा किस उम्मीदवार के सिर बंधेगा और किसके हिस्से में उदासी आएगी।

समीर व पूजा ने लगाई सबसे ऊंची छलांग

हिसार। हरियाणा कृषि विवि के गिरी सेंटर में 52वीं वार्षिक एथलेटिक मीट का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से करवाई जा रही इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के तहत आने वाले सभी महाविद्यालयों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की 800 मीटर दौड़ में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के छात्र अंकित प्रथम, कृषि महाविद्यालय बावल के मंदीप द्वितीय व विकास ने तृतीय, जबकि महिला वर्ग में कृषि महाविद्यालय हिसार की छात्रा प्रीति प्रथम, कृषि महाविद्यालय बावल की अशमीता द्वितीय तथा कृषि महाविद्यालय हिसार की कामना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।